Class - VI

इसके उत्तरों को लिखो; इसे Online class में Discuss करेंगे।

अपठित गद्यांश

इसके उत्तर को लिखो और online class में Discuss

आत्मनिर्भरता उन्नति का आधार है और आत्मविश्वास का प्रतीक है। जो व्यक्ति समाज में अपने सारे कार्य अपने आप करता है, आवश्यकता पड़ने पर दूसरों की सहायता लेता है और उसी प्रकार दूसरों को भी सहायता देता है। वह व्यक्ति उन्नति की दौड़ में कभी पीछे नहीं रह सकता है। अपने दैनिक जीवन के सारे काम स्वयं करना और उनका पूर्ण ज्ञान रखना मानव के लिए आवश्यक है। जिस काम के लिए कोई भी व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहता है उस कार्य में वह पिछड़ जाता है और उसका वह कार्य अपूर्ण रहता है। जो मनुष्य जिस कार्य में पारंगत होता है उस कार्य में वह अन्य लोगों की अपेक्षा अधिक उन्नति करता है। सार्वजनिक जीवन में जो दायित्व हमें सौंपा जाता है उसे अपना पुनीत कर्तव्य समझकर पूर्ण करना चाहिए। स्वावलंबी पुरुष सिंह के समान उद्यमी व परिश्रमी होता है तथा शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होता है। अपनी बाहुबल से सारी सुख-सुविधाओं को जुटाने में तथा समाज में यश अर्जित करने में सक्षम होता है।

(1) उन्नति का आधार किसे कहा गया है?
(क) आत्मकेंद्रण (ख) आत्मनिर्भरता (ग) परावलंबिता
(घ) आत्मविश्वास

(2) कौन व्यक्ति समाज में दूसरों को सहायता करता है?
(क) जो अपने सारे कार्य स्वयं करता है।
(ख) जो दूसरों से घृणा करता है।
(ग) जो अपना काम दूसरों से करवाता है।
(घ) जो दूसरों से दूरी रखता है।

(3) कौन व्यक्ति जीवन में पिछड़ जाता है?

(क) जब वह अधिक समय योजनाओं में बिताता है।
(ख) जब वह अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है।
(ग) जब वह अपने कार्यों को समयानुसार नहीं करता।
(घ) जब वह सोच-समझकर कार्य नहीं करता।

(4) स्वावलंबी पुरुष की क्या पहचान होती है?
(क) परिश्रमी व उद्यमी होता है।
(ख) कार्य जल्दी करता करता है।
(ग) किसी की परवाह नहीं करता
(घ) समाज में किसी से संपर्क नहीं रखता।

(5) स्वावलंबन से मनुष्य क्या प्राप्त करता है?
(क) शारीरिक तथा मानसिक अस्वस्थता
(ख) दुःख और अभाव
(ग) यश और वैभव
(घ) दूसरों से तिरस्कार

(6) गद्यांश में स्वावलंबी पुरुष की तुलना किससे की गई है?
(क) सिंह से (ख) हाथी से (ग) चीते से
(घ) भेड़िए से

(7) स्वावलंबी पुरुष अपने बाहुबल से क्या जुटा सकता है?
(क) सुख-सुविधा तथा भोग-विलास के वस्तु
(ख) समाज से यश
(ग) समाज से मान-सम्मान
(घ) ऊपर के सभी।

—o—